Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-303

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

M.A. Darshan, Semester : Third
दर्शन : प्रश्न-पत्र : तृतीय
वेदान्त मीमांसा - तृतीय

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वेदान्त में प्रतिपादित विभिन्न उपासना पद्धतियों में वर्णित गुणोपसंहार का सोदारण उल्लेख करें।
2. अनिष्टादिकारि जीवों के संसरण का उल्लेख करें।
3. स्वप्नावस्था में अनुभूयमान जगत के संदर्भ में महर्षि वेदव्यास के मत को प्रस्तुत करें।
4. "अथात आदेशो नेति-नेति" (बृह0 2.3.6) प्रस्तुत श्रुति के प्रकरण अनुसार ब्रह्म की सत्ता का प्रतिषेध किया गया है। इस आक्षेप का ब्रह्मसूत्रानुसार समाधान करें।
5. महर्षि वेदव्यास के अनुसार ब्रह्म विद्या का कर्माङ्गत्व होने का परिहार करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. मीमांसा के अनुसार अर्थवाद के स्वरूप का उल्लेख करें।
7. "परमतः सेतून्मानसम्बन्धभेदव्यपदेशेभ्यः" सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
8. जीवों के फलप्रदातृत्व के संदर्भ में महर्षि जैमिनि एवं वेदव्यास दोनों के मतों को प्रस्तुत करें।
9. वेदान्त दर्शनानुसार ब्रह्म के साथ तादात्म्यापन्न जीव की स्थिती का वर्णन करें।
10. पतित ऊर्ध्वरिता के संदर्भ में स्मृति आदि के मतों का प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
11. उपसंहार एवं व्यतिहार को सोदाहरण उल्लेखित करें।
12. "वेधाद्यर्थभेदात्" सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

----------x----------